

कक्षा 6 – हिंदी – पाठ 4 : हार की जीत

अभ्यास प्रश्नपत्र – सेट 3

नाम: _____ दिनांक: _____

अनुक्रमांक: _____

भाग (क): बहुविकल्पीय प्रश्न (MULTIPLE CHOICE QUESTIONS)

- खड्गसिंह घोड़े को लेकर कब बाबा भारती के मंदिर पहुँचा?
(अ) दोपहर में (ब) रात के अँधेरे में (स) सुबह-सुबह (द) शाम को
- खड्गसिंह ने अस्तबल में पहुँचकर क्या किया?
(अ) घोड़े को खोलकर ले गया (ब) घोड़े को बाँधकर फाटक बंद कर दिया (स) घोड़े को मार डाला (द) घोड़े को बेच दिया
- फाटक बंद करते समय खड्गसिंह की आँखों में क्या था?
(अ) क्रोध (ब) पश्चाताप के आँसू (स) हँसी (द) उदासीनता
- रात्रि का चौथा पहर आरंभ होते ही बाबा भारती ने क्या किया?
(अ) भोजन किया (ब) ठंडे जल से स्नान किया (स) यात्रा पर निकल पड़े (द) सो गए
- बाबा भारती फाटक पर पहुँचकर क्यों रुक गए?
(अ) थकान के कारण (ब) निराशा के कारण, यह सोचकर कि जाना व्यर्थ है (स) डर के कारण (द) किसी ने रोका इसलिए
- घोड़े ने बाबा भारती के आने का पता कैसे लगाया?
(अ) आवाज़ सुनकर (ब) पाँवों की चाप पहचानकर (स) गंध से (द) किसी ने बताया
- घोड़े को पाकर बाबा भारती की प्रतिक्रिया कैसी थी?
(अ) शांत और उदासीन (ब) प्रसन्नता और आश्चर्य से भरी, गले लगाकर रोए (स) क्रोधित (द) उदास

8. कहानी के अंत में दोनों (बाबा भारती और खड्गसिंह) के आँसुओं का क्या हुआ?

- (अ) अलग-अलग स्थान पर गिरे (ब) भूमि की मिट्टी पर परस्पर मिल गए (स) आँसू आए ही नहीं (द) पता नहीं चला

9. 'हार की जीत' शीर्षक का सबसे उपयुक्त अर्थ क्या है?

- (अ) घोड़े की दौड़ में जीत (ब) भौतिक हार में भी नैतिक/हृदय की जीत (स) डाकू की जीत (द) युद्ध में जीत

10. इस कहानी से मुख्यतः क्या शिक्षा मिलती है?

- (अ) डाका डालना सीखना चाहिए (ब) सच्चाई, करुणा और विश्वास हृदय बदल सकते हैं (स) घोड़े नहीं पालने चाहिए (द) अजनबियों की सहायता नहीं करनी चाहिए

भाग (ख): रिक्त स्थान भरिए (FILL IN THE BLANKS)

1. खड्गसिंह रात के _____ में बाबा भारती के मंदिर पहुँचा।
2. खड्गसिंह ने सुलतान को उसके स्थान पर बाँधकर _____ बंद कर दिया।
3. फाटक बंद करते समय खड्गसिंह की आँखों में _____ के आँसू थे।
4. रात्रि का _____ पहर बीतते ही बाबा भारती कुटिया से बाहर निकले।
5. बाबा भारती ने ठंडे जल से _____ किया।
6. फाटक पर पहुँचकर बाबा भारती को अपनी बात _____ प्रतीत हुई।
7. घोड़े ने अपने स्वामी के पाँवों की _____ पहचान ली।
8. बाबा भारती घोड़े के गले से लिपटकर उस प्रकार रोने लगे मानो कोई पिता बहुत दिन से बिछड़े _____ से मिल रहा हो।
9. बाबा भारती और खड्गसिंह दोनों के _____ भूमि की मिट्टी पर परस्पर मिल गए।
10. कहानी का शीर्षक है 'हार की _____'।

भाग (ग): सत्य/असत्य बताइए (TRUE / FALSE)

1. खड्गसिंह रात के अँधेरे में घोड़ा लेकर मंदिर पहुँचा।
2. खड्गसिंह ने घोड़ा चुराकर अपने पास रख लिया।
3. खड्गसिंह की आँखों में पश्चाताप के आँसू थे।
4. बाबा भारती को घोड़े के लौटने का पता ही नहीं चला।
5. बाबा भारती ठंडे जल से स्नान करके अस्तबल की ओर बढ़े।
6. बाबा भारती फाटक पर पहुँचकर निराश होकर रुक गए।
7. घोड़े ने बाबा भारती के पाँवों की आहट नहीं पहचानी।
8. बाबा भारती घोड़े को पाकर बहुत प्रसन्न हुए और रो पड़े।
9. दोनों के आँसू भूमि पर अलग-अलग स्थानों पर गिरे।
10. कहानी का शीर्षक 'हार की जीत' बाबा भारती की नैतिक जीत को दर्शाता है।

भाग (घ): दो पंक्तियों में उत्तर दीजिए

1. खड्गसिंह ने घोड़े को वापस लौटाने का निर्णय क्यों लिया?

2. खड्गसिंह रात में मंदिर पहुँचकर क्या करता है?

3. खड्गसिंह की आँखों में पश्चाताप के आँसू क्यों थे?

4. बाबा भारती चौथे पहर में क्या करते हैं?

5. बाबा भारती फाटक पर पहुँचकर क्यों रुक जाते हैं?

6. घोड़े ने बाबा भारती के आने का पता कैसे लगाया?

7. घोड़े को देखकर बाबा भारती की प्रतिक्रिया क्या थी?

8. कहानी के अंत में बाबा भारती और खड्गसिंह के आँसुओं का क्या हुआ?

9. कहानी का शीर्षक 'हार की जीत' उचित क्यों है?

10. इस कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

भाग (ड): संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए (3-4 बिंदुओं में)

1. खड्गसिंह के हृदय-परिवर्तन का वर्णन कीजिए।

2. बाबा भारती और घोड़े के मिलन के दृश्य का वर्णन कीजिए।

3. कहानी के अंत का भावनात्मक चित्रण कीजिए।

4. 'हार की जीत' शीर्षक की सार्थकता पर टिप्पणी लिखिए।

5. इस कहानी से मिलने वाली नैतिक शिक्षा लिखिए।

भाग (च): किसने किससे कहा? (WHO SAID TO WHOM)

1. "यह घोड़ा तुम्हारा हो चुका है।"

2. "बाबाजी, आज्ञा कीजिए। मैं आपका दास हूँ, केवल यह घोड़ा न दूँगा।"

3. "इस घटना को किसी के सामने प्रकट न करना।"

4. "बाबाजी, इसमें आपको क्या डर है?"

5. "लोगों को यदि इस घटना का पता चला तो वे किसी गरीब पर विश्वास न करेंगे।"

उत्तर कुंजी (Answer Key) — सेट 1

भाग (क): बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर

भाग (क): बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर

1. (ब) रात के अँधेरे में
2. (ब) घोड़े को बाँधकर फाटक बंद कर दिया
3. (ब) पश्चाताप के आँसू
4. (ब) ठंडे जल से स्नान किया
5. (ब) निराशा के कारण, यह सोचकर कि जाना व्यर्थ है
6. (ब) पाँवों की चाप पहचानकर
7. (ब) प्रसन्नता और आश्चर्य से भरी, गले लगाकर रोए
8. (ब) भूमि की मिट्टी पर परस्पर मिल गए
9. (ब) भौतिक हार में भी नैतिक/हृदय की जीत
10. (ब) सच्चाई, करुणा और विश्वास हृदय बदल सकते हैं

भाग (ख): रिक्त स्थान के उत्तर

1. अँधेरे
2. फाटक
3. पश्चाताप
4. तीसरा
5. स्नान
6. भूल
7. चाप
8. पुत्र
9. आँसू
10. जीत

भाग (ग): सत्य/असत्य के उत्तर

1. सत्य
2. असत्य
3. सत्य
4. असत्य
5. सत्य

6. सत्य
7. असत्य
8. सत्य
9. असत्य
10. सत्य

भाग (घ): दो पंक्तियों में उत्तर (नमूना उत्तर संकेत)

1. बाबा भारती के त्याग और उच्च विचारों से प्रभावित होकर खड्गसिंह का हृदय बदल गया और उसने घोड़ा लौटाने का निर्णय लिया।
2. खड्गसिंह रात के अँधेरे में चुपचाप मंदिर पहुँचा, सुलतान को अस्तबल में बाँधा और फाटक बंद कर वापस चला गया।
3. खड्गसिंह को अपने किए पर पश्चाताप हो रहा था, क्योंकि बाबा भारती के निःस्वार्थ और पवित्र भाव ने उसका हृदय बदल दिया था।
4. रात्रि के चौथे पहर बाबा भारती कुटिया से बाहर निकलकर ठंडे जल से स्नान करते हैं और स्वप्न में चलते हुए-से अस्तबल की ओर बढ़ते हैं।
5. फाटक पर पहुँचकर बाबा भारती को अपनी बात भूल-सी प्रतीत हुई और घोर निराशा ने उनके पाँवों को भारी बना दिया, इसलिए वे रुक गए।
6. घोड़े ने अपने स्वामी के पाँवों की चाप पहचान ली और ज़ोर से हिनहिनाया, जिससे बाबा भारती को पता चला कि सुलतान लौट आया है।
7. घोड़े को देखकर बाबा भारती आश्चर्य और प्रसन्नता से दौड़ पड़े और उसके गले से लिपटकर उसी तरह रोने लगे जैसे कोई पिता बिछड़े पुत्र से मिलता है।
8. दोनों के आँसू उसी भूमि की मिट्टी पर परस्पर मिल गए, जो एक ओर पश्चाताप और दूसरी ओर प्रसन्नता के प्रतीक थे।
9. 'हार की जीत' शीर्षक उचित है क्योंकि बाबा भारती भौतिक रूप से घोड़ा हारकर भी अपने सत्य, त्याग और करुणा से डाकू का हृदय जीत लेते हैं।

10. इस कहानी से शिक्षा मिलती है कि सच्चाई, करुणा और उदारता से कठोर से कठोर हृदय को भी बदला जा सकता है, और विश्वास बनाए रखना सबसे बड़ा मूल्य है।

भाग (ड): संक्षिप्त टिप्पणी के बिंदु-संकेत

1. खड्गसिंह के हृदय-परिवर्तन का वर्णन

- बाबा भारती के शब्द उसके कानों में गूँजते रहे: "कैसे ऊँचे विचार हैं, कैसा पवित्र भाव है!"
- उसने सोचा कि बाबा को घोड़े से इतना प्रेम था, फिर भी उन्होंने केवल गरीबों के विश्वास की चिंता की, अपनी नहीं।
- "रात के अँधेरे में खड्गसिंह बाबा भारती के मंदिर में पहुँचा" और सुलतान को चुपचाप बाँध दिया।
- "इस समय उसकी आँखों में पश्चाताप के आँसू थे।"

2. बाबा भारती और घोड़े के मिलन के दृश्य का वर्णन

- "घोड़े ने अपने स्वामी के पाँवों की चाप को पहचान लिया और ज़ोर से हिनहिनाया।"
- बाबा भारती "आश्चर्य और प्रसन्नता से दौड़ते हुए अंदर घुसे" और घोड़े के गले से लिपट गए।
- वे "इस प्रकार रोने लगे मानो कोई पिता बहुत दिन से बिछड़े पुत्र से मिल रहा हो।"
- बार-बार पीठ पर हाथ फेरते, थपकियाँ देते हुए कहा, "अब कोई गरीबों की सहायता से मुँह न मोड़ेगा।"

3. कहानी के अंत का भावनात्मक चित्रण

- बाहर निकलते समय "उनकी आँखों से आँसू बह रहे थे।"
- ये आँसू "ठीक उसी जगह गिर रहे थे, जहाँ... खड्गसिंह खड़ा होकर रोया था।"
- "दोनों के आँसुओं का उस भूमि की मिट्टी पर परस्पर मेल हो गया।"
- यह दृश्य पश्चाताप और प्रेम के मिलन का मार्मिक प्रतीक बनकर उभरता है।

4. 'हार की जीत' शीर्षक की सार्थकता

- बाबा भारती भौतिक रूप से अपना प्रिय घोड़ा सुलतान हार गए — यह उनकी "हार" थी।
- परंतु "बाबा भारती भी मनुष्य ही थे" फिर भी उनके त्याग व सत्य ने डाकू का हृदय जीत लिया — यह नैतिक "जीत" थी।
- खड्गसिंह स्वयं कहता है, "बाबाजी, यह घोड़ा अब न दूँगा... मैं आपका दास हूँ।"
- इसीलिए शीर्षक 'हार की जीत' कहानी के मूल भाव को सटीक रूप से व्यक्त करता है।

5. इस कहानी से मिलने वाली नैतिक शिक्षा

- सच्चाई और करुणा से सबसे कठोर हृदय को भी बदला जा सकता है, जैसा खड्गसिंह के साथ हुआ।
- समाज में "गरीबों... पर विश्वास" बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है, अन्यथा "दुनिया से विश्वास उठ जाएगा।"

- व्यक्तिगत हानि सहकर भी बड़े मूल्यों (जैसे विश्वास, सत्य) की रक्षा करनी चाहिए।
- बाबा भारती के शब्दों के अनुसार, "अब कोई गरीबों की सहायता से मुँह न मोड़ेगा" — परोपकार का भाव कभी नहीं छोड़ना चाहिए।

भाग (च): किसने किससे कहा — उत्तर

1. अपाहिज बने खड्गसिंह ने बाबा भारती से कहा।
2. अपाहिज बने खड्गसिंह ने बाबा भारती से कहा।
3. अपाहिज बने खड्गसिंह ने बाबा भारती से कहा।
4. बाबा भारती ने खड्गसिंह से कहा।
5. खड्गसिंह ने बाबा भारती से कहा।